अब्राहम के जन्म के समय की दुनिया
एक ही प्रकार के लोगो से बनी हुई थी

परमेश्वंर ने संसार को बाँटा

बाकी सब लोग

अब्राहाम / हिब्रू

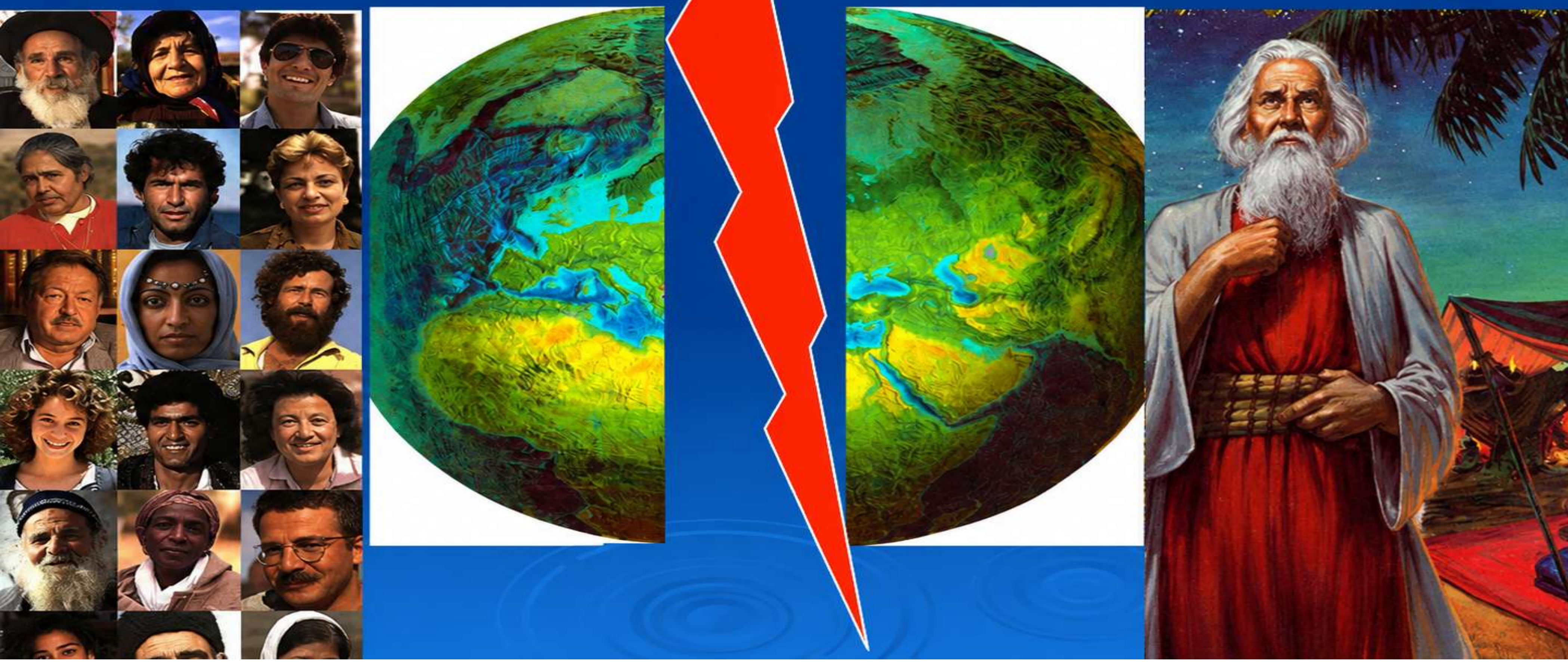

परमेश्वर के लोगों की बदलती हुई पहचान

यहूदी अध्ययन
टॉम ब्रैडफोर्ड
23/01/2001

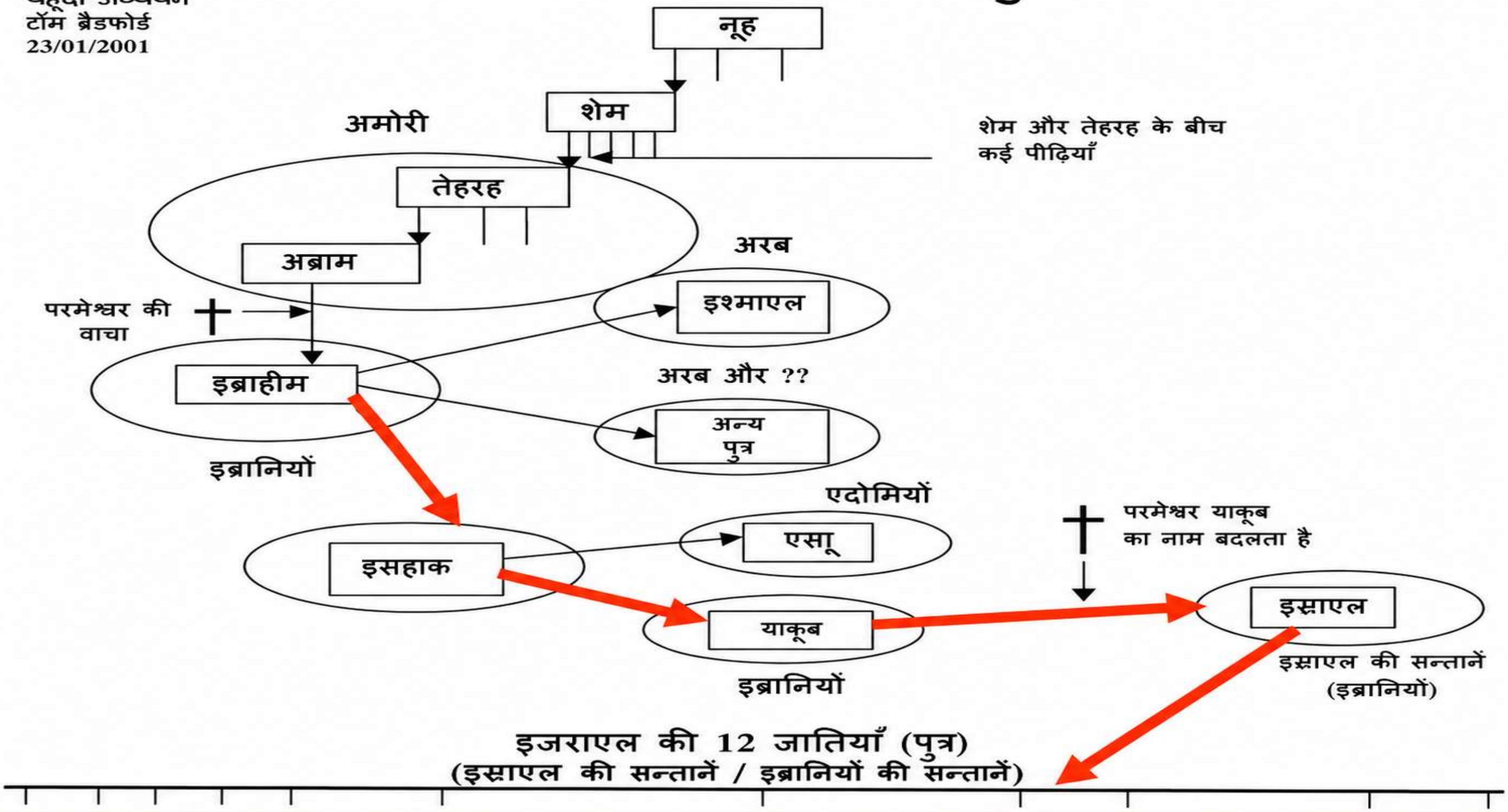

यदि इसहाक और इश्माएल के एक ही पिता थे...

- तब **केवल एक** को ही इब्री क्यों माना गया?
- **सिद्धान्त:** वंशावली शारीरिक पहचान स्थापित करती है, किन्तु **परमेश्वर की घोषणा** आध्यात्मिक पहचान स्थापित करती है।
- “इब्री” शब्द का आरम्भ दोनों – शारीरिक और आध्यात्मिक – पहचान को सूचित करने के लिए हुआ था।
- परमेश्वर ने इसहाक को **आध्यात्मिक** स्थिति प्रदान की कि वह इब्री हो।
- परमेश्वर ने इश्माएल को **आध्यात्मिक** स्थिति प्रदान नहीं की कि वह इब्री हो।

याकूब और एसाव के साथ भी यही प्रक्रिया

- परमेश्वर इन दोनों जुड़वाँ पुत्रों में से **एक** को वाचाओं का वारिस चुनता।
- याकूब और एसाव दोनों का शारीरिक वंश मूलतः एक ही था।
- दोनों इब्री प्रतीत होते थे।
- परमेश्वर **घोषणा** द्वारा विभाजन करता है।

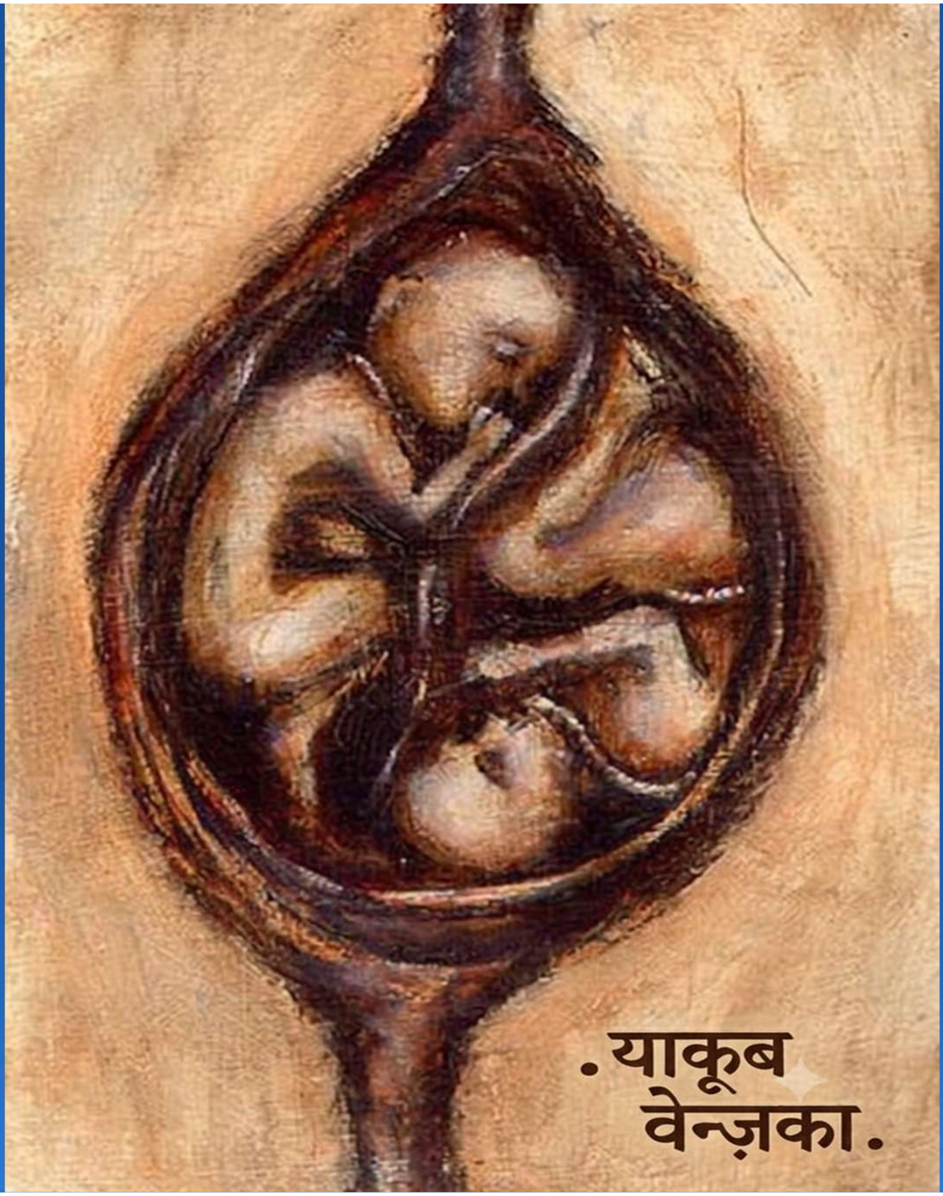

परमेश्वर के लोगों की बदलती हुई पहचान

यहूदी अध्ययन
टॉम ब्रैडफोर्ड
23/01/2001

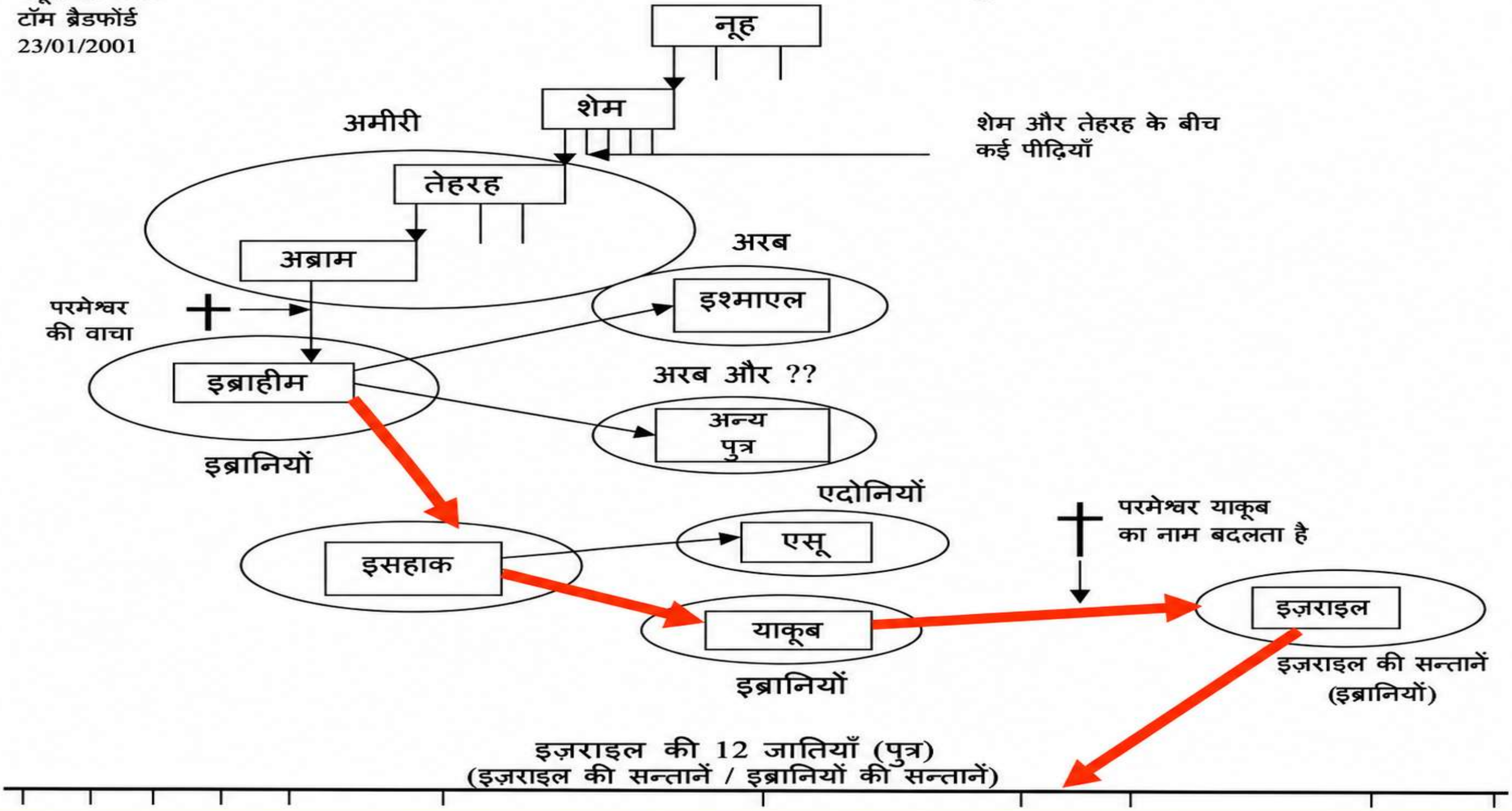

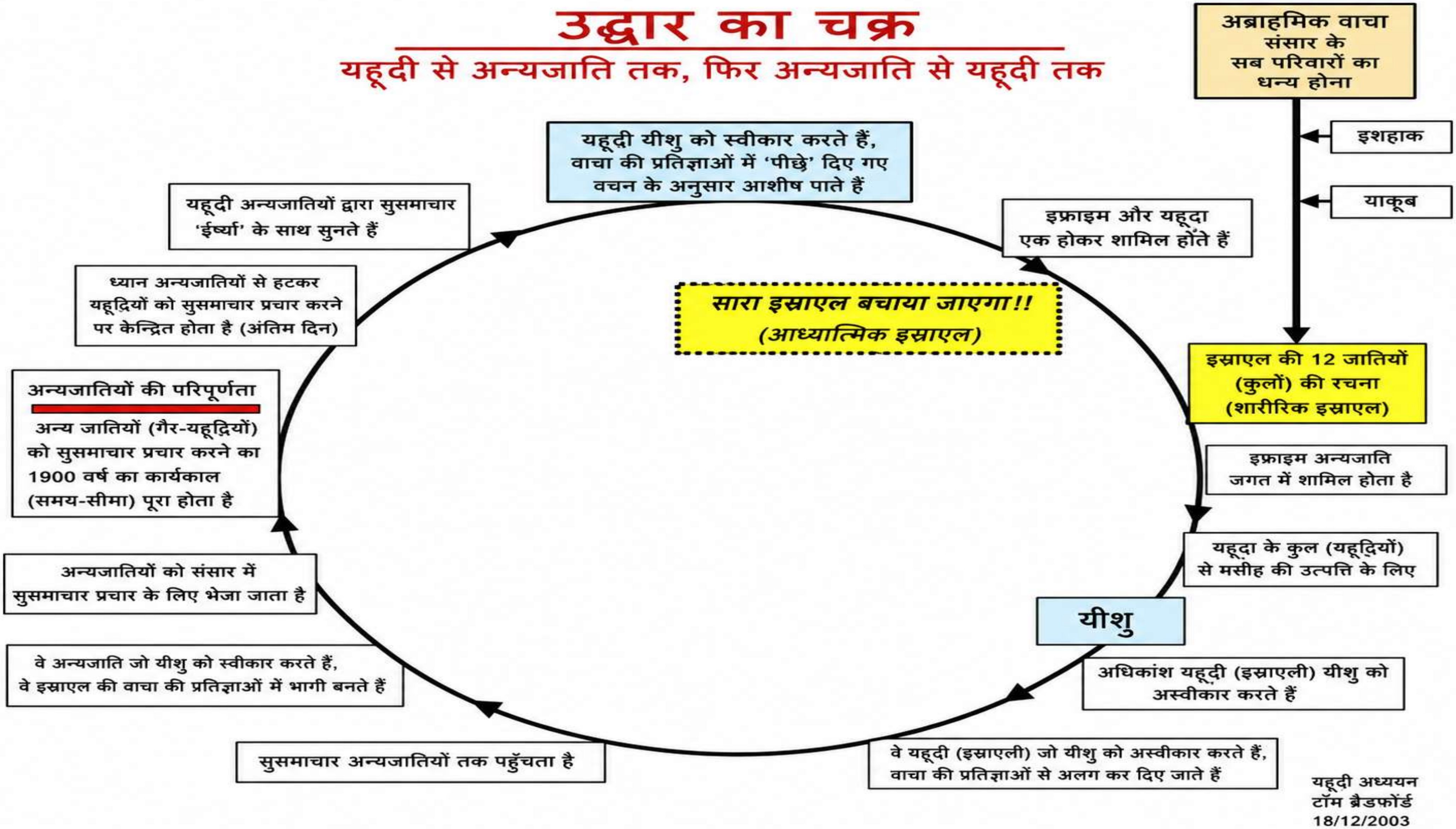
उद्धार का चक्र
यहूदी से अन्यजाति तक, फिर अन्यजाति से यहूदी तक
अब्राहमिक वाचा संसार के सब परिवारों का धन्य होना
इशहाक
याकूब
इस्राएल की 12 जातियों (कुलों) की रचना (शारीरिक इस्राएल)
इफ्राइम अन्यजाति जगत में शामिल होता है
यहूदा के कुल (यहूद्रियों) से मसीह की उत्पत्ति के लिए
यीशु
अधिकांश यहूदी (इस्राएली) यीशु को अस्वीकार करते हैं
वे यहूदी (इस्राएली) जो यीशु को अस्वीकार करते हैं, वाचा की प्रतिज्ञाओं से अलग कर दिए जाते हैं
सुसमाचार अन्यजातियों तक पहुँचता है
वे अन्यजाति जो यीशु को स्वीकार करते हैं, वे इस्राएल की वाचा की प्रतिज्ञाओं में भागी बनते हैं
अन्यजातियों को संसार में सुसमाचार प्रचार के लिए भेजा जाता है
अन्यजातियों की परिपूर्णता
अन्य जातियों (गैर-यहूद्रियों) को सुसमाचार प्रचार करने का 1900 वर्ष का कार्यकाल (समय-सीमा) पूरा होता है
ध्यान अन्यजातियों से हटकर यहूद्रियों को सुसमाचार प्रचार करने पर केन्द्रित होता है (अंतिम दिन)
यहूदी अन्यजातियों द्वारा सुसमाचार 'ईर्ष्या' के साथ सुनते हैं
यहूदी यीशु को स्वीकार करते हैं, वाचा की प्रतिज्ञाओं में 'पीछे' दिए गए वचन के अनुसार आशीष पाते हैं
इफ्राइम और यहूदा एक होकर शामिल होते हैं
सारा इस्राएल बचाया जाएगा!!
(आध्यात्मिक इस्राएल)
यहूदी अध्ययन
टॉम ब्रैडफोर्ड
18/12/2003

उसके गर्भ में दो राष्ट्र रहते हैं

- यह सामान्य नहीं था!
- प्रभुत्व के लिए संघर्ष।
- **बेकोर** = ज्येष्ठ पुत्र।
- जन्म नाल से पहले निकलने वाला ज्येष्ठ पुत्र नहीं होगा, अपितु दूसरा ही बेकोर होगा।
- यह एक निरन्तर चलने वाली विषयवस्तु है।
- जो **शारीरिक रूप** से प्रतीत होता है, वह आध्यात्मिक रूप से वैसा नहीं होता।
- ज्येष्ठ पुत्र के अधिकारों का विभाजन नहीं होता......**एक को चुना जाता है और दूसरा वंचित रह जाता है**।

“...बड़ा छोटे का सेवक होगा...”

- एसाव वाचा की प्रतिज्ञाओं का वारिस **नहीं** होगा।
- याकूब **आध्यात्मिक** स्तर पर **बेकोर** (ज्येष्ठ पुत्र) है।
- एसाव इश्माएल के समान है (शारीरिक ज्येष्ठ पुत्र)।
- याकूब इसहाक के समान है (आध्यात्मिक ज्येष्ठ पुत्र)।
- ये दोनों राष्ट्र एक दूसरे के प्रति वैर रखेंगे।

एसाव

- **सेआर** = बालों वाला, रोएँदार।
- **पर्वत सेईर** = बालों वाला पर्वत अथवा रोएँदार पर्वत।
- रिबका ने इसहाक को वह सब बताया होगा जो परमेश्वर ने उसे बताया था।
- एसाव और याकूब दोनों को भी यह बताया गया होगा, और वे इस ज्ञान के साथ बड़े हुए कि **याकूब ही बेकोर (ज्येष्ठ पुत्र)** होने वाला है।

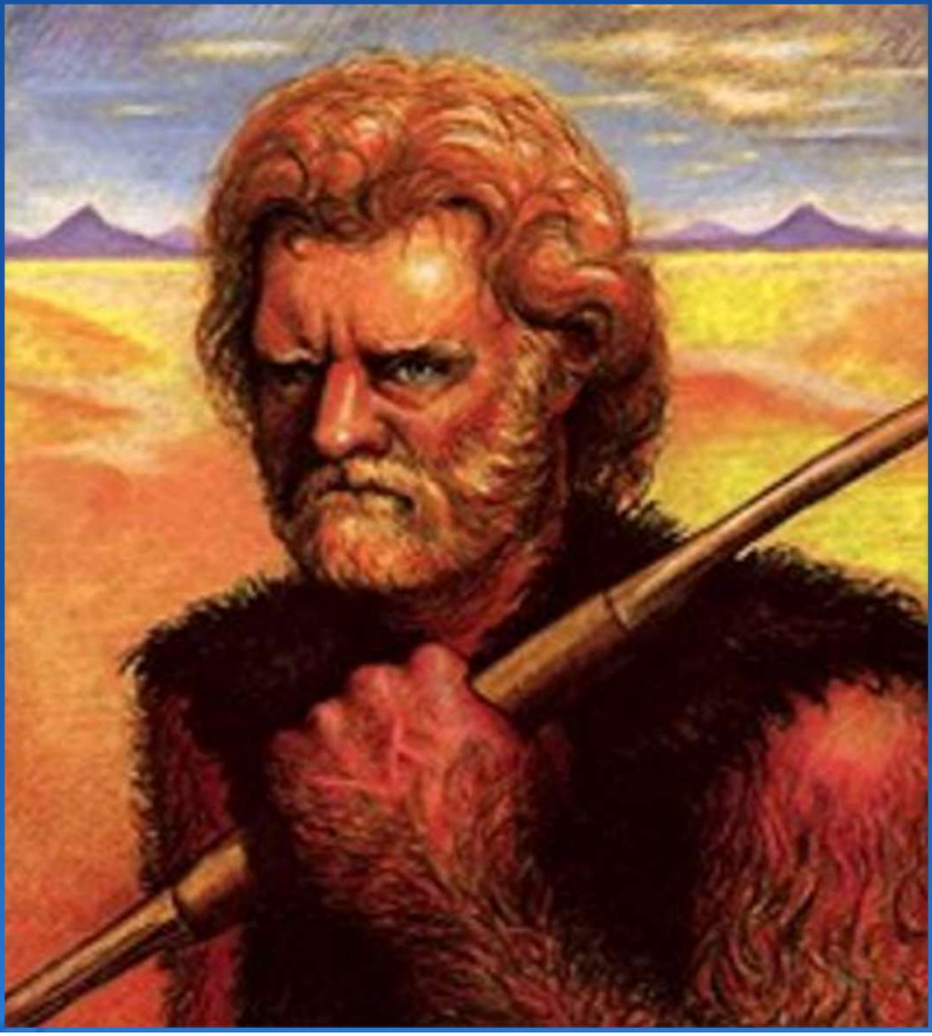

इसहाक एसाव के निकट, रिबका याकूब के निकट

- याकूब “लाल दाल” (रेड स्टू) बना रहा था।
- मसूर की दाल।
- “...क्योंकि मैं मरने वाला हूँ...”
- इसका अर्थ है “मुझे क्या चिन्ता?”
- एसाव को **एदोम** नाम दिया गया।
- **एदोम** का अर्थ है “लाल”।
- एदोमियों की सन्तान एसाव से हुई।
- एसाव ने अपना **ज्येष्ठाधिकार** तुच्छ समझा।

याकूब भोजन क्यों बना रहा था?

- स्त्रियों के लिए भोजन पकाना परम्परागत कार्य था।
- क्या याकूब अपनी माता का लाड़ला पुत्र था?
- इस समय याकूब और एसाव लगभग पन्द्रह वर्ष के थे।
- “शिवा बैठना”।
- **शोक के संस्कार**।
- विद्वान कहते हैं कि अब्राहम का देहान्त अभी-अभी हुआ था!
- मसूर की दाल का शोरबा **शोक का भोजन** माना जाता था।

शोक की परम्परा

- शोक की सात दिनों की अवधि (शिवा बैठना) में **निकटतम परिवार** के सदस्यों को भोजन नहीं पकाना चाहिए।
- निकटतम परिवार = पिता और माता, बहन और भाई, पुत्र और पुत्री, पति-पत्नी।
- पोते-पोतियाँ निकटतम परिवार नहीं गिने जाते।
- अब्राहम के पौत्र होने के कारण **याकूब** के लिए "शोक का भोजन" पकाना उचित था।

मसूर की दाल क्यों?

- अण्डे भी शोक के समय प्रचलित भोजन हैं।
- वे गोलाकार होते हैं।
- जीवन की चक्रीय प्रकृति।
- बार-बार दोहराए जाने वाले एक ही स्वरूप।
- इतिहास चक्रीय है।
- डार्विनवाद और धर्मनिरपेक्ष मानवतावाद कहते हैं कि इतिहास एक सीधी रेखा है।
- कोई चक्र नहीं, पुराना नष्ट हो जाता है और नया भिन्न होता है।

ज्येष्ठाधिकार कर्तव्यों के साथ-साथ चलते हैं

- एसाव अब्राहम और इसहाक द्वारा वहन किए गए उत्तरदायित्व के भार से पूर्णतः अवगत था।
- एसाव उन उत्तरदायित्वों का **कोई भाग** लेना नहीं चाहता था।
- **राशी** कहते हैं: यह धर्मी और दुष्ट व्यक्ति की भिन्न विश्व-दृष्टि को दर्शाता है।
- धर्मी व्यक्ति कहता है, "मेरे कर्तव्य और लक्ष्य क्या हैं?"
- दुष्ट व्यक्ति कहता है, "खाओ, पियो और आनन्द मनाओ, क्योंकि कल हम मर सकते हैं।"

एसाव शिकारी था, याकूब खेमों में रहने वाला पुरुष था

- यह दोनों पुरुषों के **स्वभाव** को स्पष्ट करता है।
- **त्सयिद** = शिकारी।
- केवल निमरोद और एसाव को ही “त्सयिद” (शिकारी) कहा गया है।
- **ताम** = निर्दोष, धर्मी।
- एसाव और याकूब के स्वभाव की तुलना की जा रही है।
- “इस प्रकार एसाव ने यह दिखाया कि उसने अपना ज्येष्ठाधिकार कितना तुच्छ समझा था।”